उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2018-2019**

एकल विशय में स्नातक कला प्रमाण–पत्र

Undergraduate Arts Certificate in Single Subject

विषय – हिन्दी **विशय कोड : सी.एस.एस. एच.आई.**

Subject : UGHI **Subject Code : CSSHI**

कोर्स भीर्शक : हिन्दी गद्य **कोर्स कोड : सी.एस.एस. एच.आई..–01**

Course Title : **Course Code : CSSHI -01**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A
खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्र"न।प्र"नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्र"न अनिवार्य ह।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answerall questions. All questions are compulsory.

प्र0न0 1 (i) 'निर्मला' उपन्यास के आधार पर बाबू तोताराम का चरित्र–चित्रण कीजिए। 6

अथवा

प्र0न0 1 (ii) 'निर्मला' उपन्यास का कथा–सारां"ा लिखते हुए लेखक का प्रतिपाद्य बताइए।

अथवा

प्र0न0 1 (iii) निर्मला उपन्यास की नायिका 'निर्मला' की चारित्रिक वि"ोषताओं का वर्णन कीजिए।

प्र0न0 2 (i) नाट्य–कला के तत्वों की दृष्टि से 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक की समीक्षा कीजिए। 6

अथवा

प्र0न0 2 (ii) अभिनेयता अथवा रंगमंचीयता की दृष्टि से ध्रुवस्वामिनी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

प्र0न0 2 (iii) सामाजिक समस्या–प्रधान नाटक के रूप में 'ध्रुवस्वामिनी का मूल्यांकन कीजिए।

प्र0न0 3 (i) 'मित्रता' निबन्ध की अन्तर्वस्तु और शैलीगत वैं"िाष्ट्य का वर्णन कीजिए। 6

अथवा

प्र0न0 3 (ii) पठित निबन्ध के आधार पर विद्यानिवास मिश्र जी की निबन्ध शैली की वि"ोषता बताइए।

अथवा

प्र0न0 3 (iii) 'एक था पेड़ और एक था ठूँठ' निबन्ध की अन्तवस्तु एवं शैलीगत वि"ोषताओं का वर्णन कीजिए।

Section – B

खण्ड–ब

अधिकतम अंक–12
Maximum Marks: 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note : Short Answer Questions. Answer should be given in 200 to 300 words. All question are compulsory.

प्र०न० 4 **(i)** द्विवेदी युग में हिन्दी गद्य के विकास पर प्रकाश डालिए। 2

अथवा

प्र०न० 4 **(ii)** खड़ी बोली गद्य के विकास के कारणों का उल्लेख कीजिए।

अथवा

प्र०न० 4 **(iii)** भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को को हिन्दी गद्य का जन्मदाता क्यों कहा जाता है?

प्र०न० 5 **(i)** 'आकाशदीप' कहानी के वातावरण चित्रण का वैशिष्ट्य बताइए। 2

अथवा

प्र०न० 5 **(ii)** रचना दृष्टि की सार्थकता के सन्दर्भ में 'उसने कहा था' कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

प्र०न० 5 **(iii)** 'शतरंज के खिलाड़ी ' कहानी के देशकाल तथा वातावरण चित्रण पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

प्र०न० 6 **(i)** 'अकेली' कहानी का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

प्र०न० 6 **(ii)** 'निर्मला' उपन्यास के पात्र मंसाराम का चरित्र चित्रित कीजिए।

अथवा

प्र०न० 6 **(iii)** 'परदा' कहानी में अभिव्यक्त त्रासदी के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

प्र०न० 7 **(i)** कहानी का संरचनागत वैशिष्ट्य बताइए। 2

अथवा

प्र०न० 7 **(ii)** औपन्यासिक शिल्प की प्रमुख विशेषताए बताइए।

अथवा

प्र०न० 7 **(iii)** रेखाचित्र और संस्मरण विधाओं का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

प्र०न० 8 **(i)** सामाजिक समस्या प्रधान एकांकी के रूप में 'जोंक' की विवेचना कीजिए। 2

अथवा

प्र०न० 8 **(ii)** 'कौमुदी महोत्सव' के आधार पर चाणक्य की चारित्रिक विशेषताएं बताइए।

अथवा

प्र०न० 8 **(iii)** 'संस्कार और भावना' एकांकी का सार अपने शब्दों में लिखिए।

प्र०न० 9 **(i)** ललित निबन्ध के रूप में 'नाखून क्यों बढ़ते हैं?' की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 2

अथवा

प्र०न० 9 **(ii)** भावात्मक और विचारात्मक निबन्धों में प्रमुख अन्तर को सोदाहरण रेखांकित कीजिए।

अथवा

प्र०न० 9 **(iii)** बातचीत निबन्ध की अन्तर्वस्तु पर प्रकाश डालिए।

****

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2018-2019**

एकल विशय में स्नातक कला प्रमाण–पत्र

Undergraduate Arts Certificate in Single Subject

विषय – हिन्दी **विशय कोड : सी.एस.एस.एच.आई.**

Subject : UGHI **Subject Code : CSSHI**

कोर्स भीर्शक : हिन्दी काव्य आई.–02 **कोर्स कोड : सी.एस.एस.एच.**

Course Title : **Course Code : CSSHI -02**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A
खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्र"न।प्र"नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्र"न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answerall questions. All questions are compulsory.

प्र0न0 1 (i) रीतिकालोन हिन्दी कविता की विभिन्न धाराओं का परिचय देते हुए उनकी वि"ोषताए बताइए। 6

अथवा

प्र0न0 1 (ii) भक्तिकालीन सगुण काव्यधारा का दा"र्निक आधार स्पष्ट करते हुए काव्यगत वि"ोषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

प्र0न0 1 (iii) आदिकालीन काव्य की प्रतिनिधि रचनाओं का वर्णन कीजिए।

प्र0न0 2 (i) सूफी काव्यधारा में महाकवि जायसी का स्थान निर्धारित कीजिए। 6

अथवा

प्र0न0 2 (ii) ज्ञानाश्रयी सन्तकाव्य धारा में कबीर के योगदान का वर्णन कीजिए।

अथवा

प्र0न0 2 (iii) रीतिसिद्ध कवि के रूप में बिहारी का साहित्यिक वै"िष्ट्य निरूपित कीजिए।

प्र0न0 3 (i) प्रगतिवादी काव्य की अन्तर्वस्तु तथा ि"ाल्पगत वै"िष्ट्य का वर्णन कीजिए। 6

अथवा

प्र0न0 3 (ii) प्रयोगवाद काव्यान्दोलन की पृष्ठभूमि बताते हुए साहित्यिक वि"ोषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

प्र0न0 3 (iii) छायावादी काव्य के रचना –विधान का वै"िष्ट्य बताते हुए इसकी शक्ति और सीमाओं का वर्णन कीजिए।

Section – B
खण्ड–ब

अधिकतम अंक–12 **Maximum Marks: 12**

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note : Short Answer Questions. Answer should be given in 200 to 300 words. All question are compulsory.

प्र0न0 4 (i) आदिकालीन काव्य की शिल्पगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 2

अथवा

प्र0न0 4 (ii) कबीर और जायसी के रहस्यवाद में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्र0न0 4 (iii) सूर और तुलसी की भक्ति–पद्धति की तुलना कीजिए।

प्र0न0 5 (i) निर्गुण काव्यधारा की ज्ञानाश्रयी शाखा का वैशिष्ट्य बताइए। 2

अथवा

प्र0न0 5 (ii) भक्तिकाव्य में मीराबाई के योगदान का वर्णन कीजिए।

अथवा

प्र0न0 5 (iii) रीतिबद्ध कवियों के रूप में देव और पद्माकर के योगदान की तुलना कीजिए।

प्र0न0 6 (i) 'भ्रमरगीत' का तात्पर्य समझाते हुए सूरदास द्वारा रचित 'भ्रमरगीत' की विशेषताएँ बताइए। 2

अथवा

प्र0न0 6 (ii) 'अष्टछाप' से आप क्या समझते हैं?

अथवा

प्र0न0 6 (iii) महाकवि सूरदास को 'पुष्टिमार्ग का जहाज' क्यों कहा जाता है?

प्र0न0 7 (i) रीतिमुक्त कवि के रूप में घनानन्द का मूल्यांकन कीजिए। 2

अथवा

प्र0न0 7 (ii) उत्तर मध्ययुगीन हिन्दी कविता की रीतिइतर काव्य – प्रवृत्तियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

प्र0न0 7 (iii) रामभक्ति काव्यधारा में तुलसीदास का योगदान बताइए।

प्र0न0 8 (i) कवि सुमित्रानन्दन पन्त की काव्ययात्रा के विभिन्न सोपानों का वर्णन कीजिए। 2

अथवा

प्र0न0 8 (ii) पठित कविताओं के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त जी की नारी भावना का वैशिष्ट्य बताइए।

अथवा

प्र0न0 8 (iii) सिद्ध कीजिए कि रहीम काव्य में भक्ति, नीति और श्रृंगार की त्रिवेणी विद्यमान है।

प्र0न0 9 (i) समकालीन हिन्दी कविता का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

प्र0न0 9 (ii) जनता और जनतन्त्र के कवि के रूप में धूमिल का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

प्र0न0 9 (iii) 'कुरूक्षेत्र' के प्रतिपाद्य और अभिव्यंजना शिल्प पर प्रकाश डालिए।

****

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2018-2019**

एकल विशय में स्नातक कला प्रमाण–पत्र

Undergraduate Arts Certificate in Single Subject

विषय – हिन्दी **विशय कोड : सी.एस.एस.एच.आई.**

Subject : UGHI **Subject Code : CSSHI**

कोर्स भीर्शक : हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं साहित्य परिचय आई.–03 **कोर्स कोड : सी.एस.एस.एच.**

Course Title : **Course Code : CSSHI-03**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A

खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्र"न।प्र"नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्र"न अनिवार्य ह।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answerall questions. All questions are compulsory.

प्र0न0 1 (i) हिन्दी साहित्य के काल विभाजन और नामकरण की समस्या पर प्रका"ा डालिए। 6

अथवा

प्र0न0 1 (ii) 'साहित्य' के स्वरूप के संबंध में विभिन्न विद्वानों के मतों का वर्णन करते हुए एक समन्वित परिभाषा प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

प्र0न0 1 (iii) आदिकालीन हिन्दी काव्य की परिस्थितियों का वर्णन करते हुए कविता पर पड़ने वाले उनके प्रभाव को रेखांकित कीजिए।

प्र0न0 2 (i) छायावादी काव्य की पृष्ठभूमि बताते हुए हिन्दी कविता में छायावाद युग के योगदान का वर्णन कीजिए। 6

अथवा

प्र0न0 2 (ii) लोकमंगल की साधना के निरूपण की दृष्टि से रामभक्ति काव्यधारा के योगदान का वर्णन कीजिए।

अथवा

प्र0न0 2 (iii) छायावादोत्तर हिन्दी काव्य की विभिन्न प्रवृत्तियों का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनका योगदान बताइए।

प्र0न0 3 (i) साठोत्तरी हिन्दी कथा–साहित्य के रचनागत वै"िाष्ट्य का वर्णन कीजिए। 6

अथवा

प्र0न0 3 (ii) भारतेन्दु एवं द्विवेदी युग में हिन्दी गद्य के विकास का तुलनात्मक वर्णन कीजिए।

अथवा

प्र0न0 3 (iii) हिन्दी कविता के परवती युगों पर आदिकालीन काव्य की प्रवृत्तियों के प्रभाव का रेखांकन कीजिए।

Section – B
खण्ड–ब

अधिकतम अंक–12
Maximum Marks: 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note : Short Answer Questions. Answer should be given in 200 to 300 words. All question are compulsory.

प्र0न0 4 (i) काव्य में रस के महत्व पर अपने विचार दीजिए। 2

अथवा

प्र0न0 4 (ii) काव्य प्रयोजन एवं काव्य हेतु में में पारस्परिक अंतर बताइए।

अथवा

प्र0न0 4 (iii) अलंकारों के प्रमुख भेद बताते हुए काव्य में उनके महत्व का वर्णन कीजए।

प्र0न0 5 (i) भक्तिकालीन रामभक्ति काव्यधारा का वै"िाष्ट्य बताइए। 2

अथवा

प्र0न0 5 (ii) भक्तिकालीन निर्गुण काव्यधारा का दा"र्निक आधार स्पष्ट कीजिए।।

अथवा

प्र0न0 5 (iii) भक्तिकालीन हिन्दी कविता की विभिन्न धाराओं का परिचय दीजिए।

प्र0न0 6 (i) रीतिबद्ध काव्यधारा से आप क्या समझते हैं? इसके प्रमुख कवियों का नामोल्लेख कीजिए। 2

अथवा

प्र0न0 6 (ii) रीतिमुक्ति एवं रीतिइतर काव्य में क्या अन्तर है?

अथवा

प्र0न0 6 (iii) काव्यांगों के निरूपण के आधार पर रीतिबद्ध कवियों का वर्गीकरण कीजिए।

प्र0न0 7 (i) हिन्दी नाटकों के क्षेत्र में जय"ांकर प्रसाद का योगदान बताइए। 2

अथवा

प्र0न0 7 (ii) हिन्दी निबन्ध के क्षेत्र में आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का योगदान बताइए।

अथवा

प्र0न0 7 (iii) आधुनिक युग की परिस्थितियों एवं वैचारिक आधार का वर्णन कीजिए।

प्र0न0 8 (i) हिन्दी कहानी में मुं"ाी प्रेमचन्द के योगदान का वर्णन कीजिए। 2

अथवा

प्र0न0 8 (ii) शुक्लोत्तर हिन्दी आलोचना के विविध आयामों का परिचय दीजिए।

अथवा

प्र0न0 8 (iii) हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की समस्याओं पर प्रका"ा डालिए।

प्र0न0 9 (i) बिम्ब तथा प्रतीक में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

प्र0न0 9 (ii) रस –मैत्रो एवं रस–विरोध का तात्पर्य समझाइए।

अथवा

प्र0न0 9 (iii) छन्द के विभिन्न भेदों का परिचय दीजिए।

****

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2018-2019**

एकल विशय में स्नातक कला प्रमाण–पत्र

Undergraduate Arts Certificate in Single Subject

विषय – हिन्दी **विशय कोड : सी.एस.एस.एच.आई.**

Subject : UGHI **Subject Code : CSSHI**

कोर्स भीर्शक : हिन्दी भाशाः इतिहास और वर्तमान **कोर्स कोड : सी.एस.एस.एच.आई.–06**

Course Title : **Course Code : CSSHI-06**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A
खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्र"न।प्र"नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्र"न अनिवार्य है।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answerall questions. All questions are compulsory.

प्र0न0 1 (i) मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाओं के विकास का वर्णन कीजिए। 6

अथवा

प्र0न0 1 (ii) वि"व के प्रमुख भाषा परिवारों का परिचयात्मक वर्णन करते हुए भारोपीय परिवार का वर्गीकरण कीजिए।

अथवा

प्र0न0 1 (iii) हिन्दी की प्रमुख उपभाषाओं और बोलियों का परिचय देते हुए उनका क्षेत्र–विस्तार बताइए।

प्र0न0 2 (i) भारोपीय परिवार की शाखाओं का वर्णन करते हुए इस भाषा– परिवार की वि"ोषताएँ बताइए। 6

अथवा

प्र0न0 2 (ii) सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी के अखिल भारतीय स्वरूप का वर्णन कीजिए।

अथवा

प्र0न0 2 (iii) हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास का वर्णन कीजिए।

प्र0न0 3 (i) प्रयोजनमूलक हिन्दी से क्या अभिप्राय है? इसकी वि"ोषताओं पर प्रका"ा डालिए। 6

अथवा

प्र0न0 3 (ii) हिन्दी भाषा के विकास एवं आधुनिकीकरण के विविध आयामों का वर्णन कीजिए।

अथवा

प्र0न0 3 (iii) राजभाषा के रूप में हिन्दी के संवैधानिक विकास की द"ाा और दि"ाा का वर्णन कीजिए।

Section – B
खण्ड–ब

अधिकतम अंक–12
Maximum Marks: 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note : Short Answer Questions. Answer should be given in 200 to 300 words. All question are compulsory.

प्र0न0 4 (i) बोलचाल की भाषा और लिखित भाषा में अंतर बताइए। 2

अथवा

प्र0न0 4 (ii) सम्प्रेषण तथा सामाजिक व्यवहार की दृष्टि से भाषा का स्वरूप बताइए।

अथवा

प्र0न0 4 (iii) भारत में बोले जाने वाले चार प्रमुख भाषा–परिवारों का परिचय दीजिए।

प्र0न0 5 (i) हिन्दी की प्रमुख उपभाषाओं और उनके अन्तर्गत आने वाली बोलियों का नामोल्लेख कीजिए । 2

अथवा

प्र0न0 5 (ii) आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का परिचय दीजिए।

अथवा

प्र0न0 5 (iii) ि"ाक्षा माध्यम का राष्ट्रीय सामाजिक जीवन से क्या सम्बन्ध है ?

प्र0न0 6 (i) राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिक तथा व्यावहारिक स्थिति पर प्रका"ा डालिए। 2

अथवा

प्र0न0 6 (ii) आधुनिक युग में खड़ी बोली के विकास की पृष्ठभूमि का वर्णन कीजिए।

अथवा

प्र0न0 6 (iii) त्रिभाषा सूत्र से आप क्या समझते हैं?

प्र0न0 7 (i) पूर्वी हिन्दी और पि"चमी हिन्दी में अन्तर बताइए। 2

अथवा

प्र0न0 7 (ii) बीसवीं शताब्दी में हिन्दी भाषा और साहित्य का विकासात्मक परिप्रेक्ष्य बताइए।

अथवा

प्र0न0 7 (iii) हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी का संदर्भ स्पष्ट कीजिए।

प्र0न0 8 (i) मानक हिन्दी की व्याकरणिक वि"ोषताओं का वर्णन कीजिए। 2

अथवा

प्र0न0 8 (ii) दक्खिनी हिन्दी से आप क्या समझते हैं? इसका वैि"ाष्ट्य बताइए।

अथवा

प्र0न0 8 (iii) हिन्दी के मानकीकरण सन्दर्भ पर प्रका"ा डालिए।

प्र0न0 9 (i) भाषा के विविध प्रकार्यों अथवा भूमिकाओं का परिचय दीजिए। 2

अथवा

प्र0न0 9 (ii) राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अन्तर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्र0न0 9 (iii) हिन्दी का अन्तर्राष्ट्रीय सन्दर्भ स्पष्ट कीजिए।

****

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद

अधिन्यास (Assignment) **2018-2019**

एकल विशय में स्नातक कला प्रमाण–पत्र

Undergraduate Arts Certificate in Single Subject

विषय – हिन्दी **विशय कोड : सी.एस.एस.एच.आई.**

Subject : Hindi **Subject Code : CSSHI**

कोर्स भीर्शक : प्रयोजनमूलक हिन्दी आई.–08 **कोर्स कोड : सी.एस.एस.एच.**

Course Title : **Course Code : CSSHI-08**

अधिकतम अंक : 30
Maximum Marks: 30

Section – A
खण्ड – अ

अधिकतम अंक : 18
Maximum Marks: 18

नोट : दीर्घ उत्तरीय प्र"न। प्र"नों के अपने उत्तर 800 से 1000 शब्दों में लिखें। सभी प्र"न अनिवार्य ह।

Note: Long Answer Questions. Answer should be given in 800 to 1000 words. Answerall questions. All questions are compulsory.

प्र0न0 1 (i) प्र"ाासनिक क्षेत्रों में प्रयुक्त हिन्दी भाषा के प्रयोजनमूलक स्वरूप का वर्णन कीजिए। 6

अथवा

प्र0न0 1 (ii) कार्यालयी हिन्दी की संवैधानिक पृष्ठभूमि का वर्णन करते हुए उसके क्रियान्वयन की स्वरूपगत वि"ोषताएँ बताइए।

अथवा

प्र0न0 1 (iii) हिन्दी वर्तनी की अनेकरूपता के कारण आने वाली लिपि संबंधी समस्याओं का वर्णन करते हुए ि"ाक्षा मंत्रालय द्वारा इस संबंध में जारी किए गए मानकीकरण नियमों का उल्लेख कीजिए।

प्र0न0 2 (i) संपादन किसे कहते हैं? इसकी प्रक्रिया के विभिन्न चरणों और तकनीकी पक्षों का उल्लेख कीजिए। 6

अथवा

प्र0न0 2 (ii) जनसंचार माध्यमों के क्षेत्र में प्रयोग किए जाने वाले हिन्दी भाषा के प्रयोजनमूलक स्वरूप का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

अथवा

प्र0न0 2 (iii) कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप बताते हुए इसके विभिन्न प्रयोग क्षेत्रों का वर्णन कीजिए।

प्र0न0 3 (i) वैज्ञानिक शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त तथा भाषिक युक्तियों पर प्रका"ा डालिए। 6

अथवा

प्र0न0 3 (ii) बैठकों और प्रतिवेदनों के सम्बन्ध में प्रयुक्त हिन्दी भाषा के स्वरूप का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

अथवा

प्र0न0 3 **(ii)** प्र"ाासनिक पत्रों के प्रकार बताते हुए उनकी प्रारूपगत वि"ोषताओं का वर्णन कीजिए।

Section – B
खण्ड–ब

अधिकतम अंक–12
Maximum Marks: 12

नोट : लघु उत्तरीय प्रश्न। प्रश्नों के अपने उत्तर 200 से 300 शब्दों में लिखें। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

Note : Short Answer Questions. Answer should be given in 200 to 300 words. All question are compulsory.

प्र0न0 4 **(i)** हिन्दी की वर्तनी संबंधी समस्याओं पर प्रका"ा डालिए। 2

अथवा

प्र0न0 4 **(ii)** हिन्दी भाषा के मानकीकरण की प्रक्रिया पर प्रका"ा डालिए।

अथवा

प्र0न0 4 **(iii)** लिपि तथा वर्तनी का सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए।

प्र0न0 5 **(i)** हिन्दी वाक्य –रचना के प्रकारों का वर्णन कीजिए। 2

अथवा

प्र0न0 5 **(ii)** सामान्य हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी और प्रयोजनमूलक हिन्दी में अन्तर बताइए।

अथवा

प्र0न0 5 **(iii)** हिन्दी के आधारभूत वाक्य साँचे का वर्णन कीजिए।

प्र0न0 6 **(i)** पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया पर प्रका"ा डालिए। 2

अथवा

प्र0न0 6 **(ii)** बैंकिंग और वाणिज्य के क्षेत्र में प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रयुक्तियों का परिचय दीजिए।

अथवा

प्र0न0 6 **(iii)** हिन्दी शब्द को"ा में शब्दों के क्रम पर टिप्पणी लिखिए।

प्र0न0 7 **(i)** कार्यालयी हिन्दी के स्वरूप –निर्माण में अनुवाद की भूमिका स्पष्ट कीजिए। 2

अथवा

प्र0न0 7 **(ii)** संक्षेपण अथवा सार लेखन से आप क्या समझते हैं? इसका प्र"ाासनिक महत्व बताइए।

अथवा

प्र0न0 7 **(iii)** कार्यसूची तथा कार्यवृत्त में अन्तर लिखिए।

प्र0न0 8 **(i)** कार्यालयी संदर्भ में टिप्पण और प्रारूपण की उपयोगिता पर प्रका"ा डालिए। 2

अथवा

प्र0न0 8 **(ii)** वैज्ञानिक और तकनीकी क्षेत्रों में पर्याय चयन, शब्द–रचना तथा प्रयोग का वै"ाष्ट्य बताइए।

अथवा

प्र0न0 8 **(iii)** वैज्ञानिक शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त तथा भाषिक युक्तियों पर प्रका"ा डालिए।

प्र0न0 9 **(i)** अच्छे समाचार लेखन और प्रस्तुतीकरण के आव"यक नियम बताइए। 2

अथवा

प्र0न0 9 **(ii)** विधि के क्षेत्र में हिन्दी भाषा के कार्यालयी स्वरूप का वर्णन कीजिए।

अथवा

प्र0न0 9 **(iii)** समाचार सम्पादन की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों और तकनीकी पक्षों का परिचय दीजिए।